

स्वास्थ्य और समृद्धि का सशक्त माध्यम

Dr Bipul MULlick
CMD Ezykart

ईजीकार्ट: Direct Selling का नया युग

Ezykart Vs अन्य MLM कंपनियों: Comparison

Ezykart ने पिछले कुछ वर्षों में डायरेक्ट सेलिंग उद्योग में एक मजबूत स्थिति हासिल की है। आइए देखें कि यह अन्य MLM कंपनियों से कैसे अलग है और बेहतर प्रदर्शन क्यों कर रहा है:

1. स्थायित्व और वृद्धि:

* **Ezykart:** 2020 से लगातार काम कर रही है, जबकि कई अन्य कंपनियां बंद हो गईं या विभाजित हो गईं।

* **उत्पाद विस्तार:** Ezykart ने अपनी उत्पाद रेंज को 2 से 100 से अधिक उत्पादों तक बढ़ाया है, जबकि अन्य कंपनियों की उत्पाद गुणवत्ता में गिरावट आई है।

2. अनूठा बिजनेस प्लान:

* **कम निवेश, उच्च आय:** Ezykart का बिजनेस प्लान अन्य कंपनियों की तुलना में अधिक आकर्षक है क्योंकि इसमें कम निवेश की आवश्यकता होती है और उच्च आय अर्जित करने की संभावना होती है।

* **Daily Payout:** Ezykart दैनिक भुगतान और निकासी की सुविधा प्रदान करता है, जो अन्य कंपनियों में उपलब्ध नहीं है।

* **फील्ड एक्सपेंस:** कंपनी वितरकों को फील्ड एक्सपेंस के लिए 50/- per Day भी प्रदान करती है।

3. डिजिटल उपस्थिति और तकनीक:

* **मोबाइल ऐप:** Ezykart का अपना मोबाइल ऐप है जिसके माध्यम से उत्पाद खरीदे जा सकते हैं।

* **ऑनलाइन प्रशिक्षण:** कंपनी नियमित रूप से ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र आयोजित करती है।

4. उत्पाद की गुणवत्ता और उपलब्धता:

* **उच्च गुणवत्ता:** Ezykart के उत्पादों की गुणवत्ता उच्च स्तर की है और ग्राहकों को सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं।

* **उत्पाद उपलब्धता:** उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कंपनी ने एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला विकसित की है।

5. प्रशिक्षण और समर्थन:

* **व्यापक प्रशिक्षण:** कंपनी वितरकों को व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करती है जिसमें उत्पाद प्रशिक्षण, नेटवर्क मार्केटिंग प्रशिक्षण और व्यक्तिगत विकास प्रशिक्षण शामिल हैं।

* **समर्पित समर्थन:** कंपनी के पास वितरकों को समर्थन प्रदान करने के लिए समर्पित Management staff हैं।

6. पारदर्शिता और विश्वसनीयता:

* **पारदर्शी व्यवसाय:** कंपनी अपने व्यवसाय के बारे में पूरी तरह से पारदर्शी है और वितरकों को सभी आवश्यक जानकारी प्रदान करती है।

* **विश्वसनीयता:** कंपनी ने अपने वितरकों के बीच विश्वास और विश्वसनीयता का निर्माण किया है।

7. भविष्य की योजनाएं:

* **विस्तार:** कंपनी आने वाले वर्षों में अपने उत्पाद पोर्टफोलियो और वितरक नेटवर्क का विस्तार करने की योजना बना रही है।

* **स्वास्थ्य देखभाल:** कंपनी स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में भी प्रवेश करने की योजना बना रही है।

अगर एक साधारण इंसान ने भी अपने संकल्प से सफल लोगों की आदतें खुद के अंदर विकसित कर ली तो उसे सफल होने से कोई नहीं रोक सकता. याद रखिएगा आप अक्सर अपनी मनचाही सफलता से सिर्फ एक या दो आदतें दूर होते हैं."

निष्कर्ष:

Ezykart अन्य MLM कंपनियों की तुलना में कई मायनों में बेहतर है। इसकी उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद, अनूठा बिजनेस प्लान, व्यापक प्रशिक्षण और मजबूत समर्थन प्रणाली ने इसे उद्योग में एक अग्रणी बना दिया है। यदि आप डायरेक्ट सेलिंग में सफल होना चाहते हैं, तो Ezykart आपके लिए एक शानदार विकल्प हो सकता है।

अधिक जानकारी के लिए आप कंपनी के Distributors से संपर्क कर सकते हैं।

जय हिन्द जय आयुर्वेद जय ईजीकार्ट



www.easycartbooster.com

अतिरिक्त टिप्स:

1. प्रामाणिक बनें: स्वयं बनें, कोई ऐसा व्यक्ति बनने का प्रयास न करें जो आप नहीं हैं।
2. आत्मविश्वास बनाएँ: अपने आप पर, अपने उत्पादों और अपने व्यवसाय पर विश्वास करें।
3. मजबूत संचार कौशल विकसित करें: अपने दृष्टिकोण, उत्पादों और अवसर को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करना सीखें।

4. सकारात्मक और उत्साही बनें: व्यवसाय के लिए अपना जुनून और उत्साह दिखाएं।

5. दूसरों के साथ सहानुभूति रखें: अपनी टीम के सदस्यों और ग्राहकों की जरूरतों और चुनौतियों को समझें और उनसे जुड़ें।

6. नेता बनें: पहल करें, उदाहरण स्थापित करें और दूसरों को अनुसरण करने के लिए प्रेरित करें।

7. सक्रिय रूप से सुनने का अभ्यास करें: दूसरों पर ध्यान दें, प्रश्न पूछें और दिखाएं कि आप उनकी परवाह करते हैं।

इन व्यक्तित्व गुणों को विकसित करके, आप एक अधिक प्रभावी नेटवर्क विपणक बन जाएंगे, मजबूत संबंध बनाएंगे और अधिक लोगों को अपने व्यवसाय की ओर आकर्षित करेंगे।

16. डायबेटिक केयर कैप्सूल

साइज़: 30 कैप्सूल प्रति डब्बा

मुख्य इंग्रेडिएंट्स:

1. दारुहल्दी
2. गुडमार बूटी
3. जामुन गुठली
4. मेथी दाना
5. शुद्ध शिलाजीत
6. करेला

इस प्रोडक्ट के संभावित लाभ और उपयोग:

1. मधुमेह (डायबिटीज) नियंत्रण:
 - यह कैप्सूल मुख्य रूप से टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज के प्रबंधन में मदद कर सकता है।
 - गुडमार बूटी, जामुन गुठली और करेला रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में सहायक हो सकते हैं।
2. इंसुलिन संवेदनशीलता:
 - मेथी दाना इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ा सकता है, जिससे शरीर इंसुलिन का बेहतर उपयोग कर सकता है।
3. एंटीऑक्सीडेंट गुण:
 - दारुहल्दी और शिलाजीत में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम कर सकते हैं।
4. पाचन में सुधार:
 - करेला और मेथी दाना पाचन क्रिया को बेहतर बना सकते हैं।
5. मेटाबॉलिज्म बूस्ट:
 - शिलाजीत और दारुहल्दी शरीर के मेटाबॉलिज्म को बढ़ा सकते हैं।
6. समग्र स्वास्थ्य:
 - इन हर्बल इंग्रेडिएंट्स का संयोजन समग्र स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार कर सकता है।

उपयोग का तरीका और मात्रा:

1. मात्रा: आमतौर पर 1-2 कैप्सूल दिन में दो बार (सुबह और शाम) लें। हालांकि, सटीक मात्रा के लिए पैकेज पर दी गई निर्देशों का पालन करें।
2. समयावधि: जैसा कि आपने उल्लेख किया है, इस प्रोडक्ट को लगातार 3 महीने या 90 दिनों तक लेना चाहिए। यह आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार है, जहां हर्बल उपचार को पूर्ण प्रभाव दिखाने के लिए समय की आवश्यकता होती है।
3. भोजन के साथ: कैप्सूल को भोजन के साथ या तुरंत बाद में लेना बेहतर होता है। यह पाचन में मदद करता है और किसी भी संभावित पेट संबंधी परेशानी को कम करता है।
4. पानी के साथ: कैप्सूल को पर्याप्त मात्रा में पानी के साथ लें।
5. नियमितता: बेहतर परिणामों के लिए नियमित रूप से और निर्धारित समय पर कैप्सूल लें।

सावधानियां:

1. किसी भी पूरक का सेवन शुरू करने से पहले अपने चिकित्सक से परामर्श करें, विशेष रूप से यदि आप पहले से ही किसी दवा का सेवन कर रहे हैं।
2. गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं को इस उत्पाद का उपयोग करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।
3. यदि कोई दुष्प्रभाव हो तो तुरंत उपयोग बंद कर दें और चिकित्सकीय सलाह लें।

यह उत्पाद डायबिटीज की दवाओं का विकल्प नहीं है। अपने नियमित चिकित्सा उपचार को जारी रखें जब तक कि आपका डॉक्टर अन्यथा निर्देश न दे।

17. ल्यूकोरिया केयर कैप्सूल

साइज़: 30 कैप्सूल प्रति डब्बा

मुख्य इंग्रेडिएंट्स:

1. लोध
2. नागकेसर
3. अश्वगंधा
4. मायफल (माजूफल)
5. अशोक छाल
6. शतावर

इस प्रोडक्ट के संभावित लाभ और उपयोग:

1. ल्यूकोरिया (श्वेत प्रदर) का उपचार:
 - यह कैप्सूल मुख्य रूप से ल्यूकोरिया, जिसे श्वेत प्रदर भी कहा जाता है, के उपचार में मदद कर सकता है।
 - लोध और नागकेसर के कसैले गुण योनि स्राव को कम करने में सहायक हो सकते हैं।
2. महिला प्रजनन स्वास्थ्य:
 - अशोक छाल और शतावर महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।
 - ये जड़ी-बूटियाँ मासिक धर्म संबंधी समस्याओं को कम करने में भी सहायक हो सकती हैं।
3. योनि संक्रमण से बचाव:
 - नागकेसर और लोध के एंटीसेप्टिक गुण योनि संक्रमण से बचाव में मदद कर सकते हैं।
4. हार्मोनल संतुलन:
 - अश्वगंधा और शतावर हार्मोनल संतुलन बनाए रखने में सहायक हो सकते हैं, जो ल्यूकोरिया के प्रबंधन में महत्वपूर्ण है।
5. प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करना:
 - अश्वगंधा और शतावर प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद कर सकते हैं, जो संक्रमण से लड़ने में सहायक होता है।
6. तनाव कम करना:
 - अश्वगंधा तनाव कम करने में मदद कर सकता है, जो अक्सर ल्यूकोरिया के लक्षणों को बढ़ा सकता है।
7. रक्त शुद्धिकरण:
 - मायफल और अशोक छाल रक्त को शुद्ध करने में मदद कर सकते हैं, जो समग्र स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हो सकता है।

उपयोग का तरीका और मात्रा:

1. मात्रा: सामान्यतः 1-2 कैप्सूल दिन में दो बार (सुबह और शाम) लें। हालांकि, सटीक मात्रा के लिए पैकेज पर दिए गए निर्देशों का पालन करें।
2. समयावधि: आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार, इस प्रकार के हर्बल उपचार को पूर्ण प्रभाव दिखाने के लिए लगभग 3 महीने या 90 दिनों तक लगातार लेना चाहिए।
3. भोजन के साथ: कैप्सूल को भोजन के साथ या तुरंत बाद में लेना बेहतर होता है। यह पाचन में मदद करता है और किसी भी संभावित पेट संबंधी परेशानी को कम करता है।
4. पानी के साथ: कैप्सूल को पर्याप्त मात्रा में पानी के साथ लें।
5. नियमितता: बेहतर परिणामों के लिए नियमित रूप से और निर्धारित समय पर कैप्सूल लें।

सावधानियां:

1. किसी भी पूरक का सेवन शुरू करने से पहले अपने चिकित्सक या आयुर्वेदिक विशेषज्ञ से परामर्श करें, विशेष रूप से यदि आप पहले से ही किसी दवा का सेवन कर रही हैं।
2. गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं को इस उत्पाद का उपयोग करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।
3. यदि कोई दुष्प्रभाव हो या लक्षण बिगड़ते हैं तो तुरंत उपयोग बंद कर दें और चिकित्सकीय सलाह लें।
4. यह उत्पाद गंभीर ल्यूकोरिया या अन्य गाइनेकोलॉजिकल समस्याओं के लिए चिकित्सकीय उपचार का विकल्प नहीं है। यदि लक्षण गंभीर हैं या लंबे समय तक बने रहते हैं, तो कृपया एक योग्य चिकित्सक से परामर्श करें।

अतिरिक्त स्वच्छता बनाए रखें और संतुलित आहार लें जो इस उपचार के प्रभाव को बढ़ा सकता है।

18. हार्ट केयर कैप्सूल

साइज़: 30 कैप्सूल प्रति डब्बा

मुख्य इंग्रेडिएंट्स:

1. अर्जुन
2. अश्वगंधा
3. लहसुन
4. ब्राह्मी
5. शुद्ध गुग्गुलु
6. आंवला

इस प्रोडक्ट के संभावित लाभ और उपयोग:

1. हृदय स्वास्थ्य में सुधार:
 - अर्जुन हृदय की मांसपेशियों को मजबूत करने और रक्त संचार में सुधार करने में मदद कर सकता है।
 - शुद्ध गुग्गुलु कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में सहायक हो सकता है।
2. रक्तचाप नियंत्रण:
 - लहसुन रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है।
 - अश्वगंधा तनाव को कम करके रक्तचाप को नियंत्रित करने में सहायक हो सकता है।
3. एंटीऑक्सीडेंट गुण:
 - आंवला विटामिन सी का समृद्ध स्रोत है, जो एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है।
 - ये एंटीऑक्सीडेंट हृदय को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचा सकते हैं।
4. तनाव प्रबंधन:
 - अश्वगंधा और ब्राह्मी तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं, जो हृदय स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।
5. रक्त परिसंचरण में सुधार:
 - लहसुन रक्त के थक्के जमने की प्रक्रिया को कम करके रक्त परिसंचरण में सुधार कर सकता है।
6. मानसिक स्वास्थ्य:
 - ब्राह्मी मस्तिष्क के कार्यों में सुधार कर सकती है, जो अप्रत्यक्ष रूप से हृदय स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।
7. प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करना:
 - आंवला और अश्वगंधा प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद कर सकते हैं।

उपयोग का तरीका और मात्रा:

1. मात्रा: सामान्यतः 1-2 कैप्सूल दिन में दो बार (सुबह और शाम) लें। हालांकि, सटीक मात्रा के लिए पैकेज पर दिए गए निर्देशों का पालन करें।
2. समयावधि: आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार, इस प्रकार के हर्बल उपचार को पूर्ण प्रभाव दिखाने के लिए लगभग 3 महीने या 90 दिनों तक लगातार लेना चाहिए।
3. भोजन के साथ: कैप्सूल को भोजन के साथ या तुरंत बाद में लेना बेहतर होता है। यह पाचन में मदद करता है और किसी भी संभावित पेट संबंधी परेशानी को कम करता है।
4. पानी के साथ: कैप्सूल को पर्याप्त मात्रा में पानी के साथ लें।
5. नियमितता: बेहतर परिणामों के लिए नियमित रूप से और निर्धारित समय पर कैप्सूल लें।

सावधानियां:

1. किसी भी पूरक का सेवन शुरू करने से पहले अपने चिकित्सक या कार्डियोलॉजिस्ट से परामर्श करें, विशेष रूप से यदि आप पहले से ही किसी हृदय रोग से ग्रसित हैं या कोई दवा ले रहे हैं।
2. यदि आप रक्त पतला करने वाली दवाएं ले रहे हैं, तो विशेष सावधानी बरतें क्योंकि लहसुन रक्त के थक्के जमने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है।
3. गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं को इस उत्पाद का उपयोग करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।
4. यदि कोई दुष्प्रभाव हो या हृदय संबंधी लक्षण बिगड़ते हैं तो तुरंत उपयोग बंद कर दें और चिकित्सकीय सलाह लें।
5. यह उत्पाद गंभीर हृदय रोगों के लिए चिकित्सकीय उपचार का विकल्प नहीं है। यदि आपको छाती में दर्द, सांस लेने में कठिनाई, या अन्य गंभीर लक्षण हों, तो तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें।

स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखें: नियमित व्यायाम करें, संतुलित आहार लें, और तनाव को कम करें। ये आदतें इस उपचार के प्रभाव को बढ़ा सकती हैं।

19. पाइल्स केयर कैप्सूल

साइज़: 30 कैप्सूल प्रति डब्बा

मुख्य इंग्रेडिएंट्स:

1. आंवला
2. हरड़
3. बहेड़ा
4. रसांजन वटी
5. नागकेसर
6. सौंठ

इस प्रोडक्ट के संभावित लाभ और उपयोग:

1. बवासीर (पाइल्स) का उपचार:
 - यह कैप्सूल मुख्य रूप से बवासीर (पाइल्स) के लक्षणों को कम करने और उपचार में मदद कर सकता है।
 - त्रिफला (आंवला, हरड़, बहेड़ा) मल त्याग को आसान बना सकता है, जो बवासीर के लक्षणों को कम करने में मदद करता है।
2. मल त्याग में सुधार:
 - त्रिफला और सौंठ कब्ज को दूर करने में मदद कर सकते हैं, जो बवासीर के लिए एक प्रमुख कारक है।
3. सूजन कम करना:
 - नागकेसर और रसांजन वटी में सूजन कम करने वाले गुण हो सकते हैं, जो बवासीर से होने वाली सूजन और दर्द को कम कर सकते हैं।
4. रक्तस्राव को रोकना:
 - नागकेसर रक्तस्राव को कम करने में मदद कर सकता है, जो रक्तस्रावी बवासीर के मामलों में फायदेमंद हो सकता है।
5. त्वचा की मरम्मत:
 - आंवला में विटामिन सी होता है जो कोलेजन उत्पादन में मदद करता है, यह गुदा क्षेत्र की त्वचा की मरम्मत में सहायक हो सकता है।
6. पाचन में सुधार:
 - सौंठ पाचन को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है, जो अप्रत्यक्ष रूप से बवासीर के लक्षणों को कम कर सकता है।
7. रक्त शुद्धिकरण:
 - त्रिफला रक्त को शुद्ध करने में मदद कर सकता है, जो समग्र स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हो सकता है।

उपयोग का तरीका और मात्रा:

1. मात्रा: सामान्यतः 1-2 कैप्सूल दिन में दो बार (सुबह और शाम) लें। हालांकि, सटीक मात्रा के लिए पैकेज पर दिए गए निर्देशों का पालन करें।
2. समयावधि: आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार, इस प्रकार के हर्बल उपचार को पूर्ण प्रभाव दिखाने के लिए लगभग 3 महीने या 90 दिनों तक लगातार लेना चाहिए।
3. भोजन के साथ: कैप्सूल को भोजन के साथ या तुरंत बाद में लेना बेहतर होता है। यह पाचन में मदद करता है और किसी भी संभावित पेट संबंधी परेशानी को कम करता है।
4. पानी के साथ: कैप्सूल को पर्याप्त मात्रा में पानी के साथ लें। पर्याप्त जल सेवन बवासीर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण है।
5. नियमितता: बेहतर परिणामों के लिए नियमित रूप से और निर्धारित समय पर कैप्सूल लें।

सावधानियां:

1. गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं को इस उत्पाद का उपयोग करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।
2. यदि कोई दुष्प्रभाव हो या लक्षण बिगड़ते हैं तो तुरंत उपयोग बंद कर दें और चिकित्सकीय सलाह लें।
3. यह उत्पाद गंभीर बवासीर या अन्य गुदा समस्याओं के लिए चिकित्सकीय उपचार का विकल्प नहीं है। यदि आपको गंभीर दर्द, अत्यधिक रक्तस्राव, या अन्य चिंताजनक लक्षण हों, तो तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें।
4. अतिरिक्त सावधानियां:
 - रेशेदार भोजन का सेवन बढ़ाएं और पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं।
 - नियमित व्यायाम करें, विशेषकर ऐसे व्यायाम जो पेट के निचले हिस्से और श्रोणि क्षेत्र में रक्त संचार को बढ़ावा देते हैं।
 - लंबे समय तक बैठने या खड़े रहने से बचें।
 - शौच के दौरान बहुत अधिक जोर न लगाएं।

20. ब्रेन केयर कैप्सूल

साइज़: 30 कैप्सूल प्रति डब्बा

मुख्य इंग्रेडिएंट्स:

1. ब्राह्मी
2. शंखपुष्पी
3. अश्वगंधा
4. शतावर
5. वच (वाच)
6. जटामांसी

इस प्रोडक्ट के संभावित लाभ और उपयोग:

1. मस्तिष्क कार्य में सुधार:
 - ब्राह्मी और शंखपुष्पी स्मृति, एकाग्रता और संज्ञानात्मक कार्यों में सुधार कर सकते हैं।
 - ये घटक मानसिक स्पष्टता और सतर्कता बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।
2. तनाव और चिंता कम करना:
 - अश्वगंधा और जटामांसी तनाव और चिंता को कम करने में सहायक हो सकते हैं।
 - ये मस्तिष्क को शांत करने और मानसिक थकान को कम करने में मदद कर सकते हैं।
3. न्यूरोप्रोटेक्टिव प्रभाव:
 - ब्राह्मी और अश्वगंधा में न्यूरोप्रोटेक्टिव गुण हो सकते हैं, जो मस्तिष्क कोशिकाओं की रक्षा करने में मदद कर सकते हैं।
4. मूड में सुधार:
 - जटामांसी और शंखपुष्पी मूड को नियंत्रित करने और उदासी के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं।
5. नींद की गुणवत्ता में सुधार:
 - अश्वगंधा और जटामांसी नींद की गुणवत्ता में सुधार कर सकते हैं, जो मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।
6. ऊर्जा और जीवन शक्ति में वृद्धि:
 - शतावर और अश्वगंधा शारीरिक और मानसिक ऊर्जा स्तर को बढ़ा सकते हैं।
7. वाणी और बुद्धि में सुधार:
 - वच (वाच) वाणी और बुद्धि को बढ़ाने में मदद कर सकता है।
8. हार्मोनल संतुलन:
 - शतावर हार्मोनल संतुलन बनाए रखने में मदद कर सकता है, जो मूड और संज्ञानात्मक कार्यों को प्रभावित कर सकता है।

उपयोग का तरीका और मात्रा:

1. मात्रा: सामान्यतः 1-2 कैप्सूल दिन में दो बार (सुबह और शाम) लें। हालांकि, सटीक मात्रा के लिए पैकेज पर दिए गए निर्देशों का पालन करें।
2. समयावधि: आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार, इस प्रकार के हर्बल उपचार को पूर्ण प्रभाव दिखाने के लिए लगभग 3 महीने या 90 दिनों तक लगातार लेना चाहिए।
3. भोजन के साथ: कैप्सूल को भोजन के साथ या तुरंत बाद में लेना बेहतर होता है। यह पाचन में मदद करता है और किसी भी संभावित पेट संबंधी परेशानी को कम करता है।
4. पानी के साथ: कैप्सूल को पर्याप्त मात्रा में पानी के साथ लें।
5. नियमितता: बेहतर परिणामों के लिए नियमित रूप से और निर्धारित समय पर कैप्सूल लें।

सावधानियां:

1. गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं को इस उत्पाद का उपयोग करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।
 2. यदि कोई दुष्प्रभाव हो या लक्षण बिगड़ते हैं तो तुरंत उपयोग बंद कर दें और चिकित्सकीय सलाह लें।
 3. अतिरिक्त सावधानियां:
 - मस्तिष्क स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए नियमित व्यायाम करें और स्वस्थ आहार लें।
 - पर्याप्त नींद लें और तनाव प्रबंधन तकनीकों का अभ्यास करें।
 - मस्तिष्क को सक्रिय रखने के लिए नियमित रूप से मानसिक अभ्यास करें, जैसे पहेलियाँ सुलझाना या नई भाषा सीखना।
 4. अल्कोहल या अन्य नशीले पदार्थों के साथ इस उत्पाद का सेवन न करें।
- यदि आप किसी सर्जरी की योजना बना रहे हैं, तो सर्जरी से कम से कम दो सप्ताह पहले इस उत्पाद का उपयोग बंद कर दें।